

## चुनावों में ट्विटर की भूमिका: राजनीतिक अभियानों और मतदाता व्यवहार पर इसके प्रभाव का विश्लेषण

Mr. Sultan<sup>1</sup>, Dr. Sunaina<sup>2</sup>

<sup>1</sup> M.Sc. (Mass Communication), Student, Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar, Haryana

<sup>2</sup> Assistant Professor, Directorate of Distance Education, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar

### भूमिका

लोकप्रिय माइक्रोब्लॉगिंग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को सक्रियतावाद, आपदा वसूली, और अन्य चीजों के बीच चुनावों में अपनी कथित भूमिका के लिए प्रेस में प्रमुखता से शामिल किया गया है। हाल के वर्षों में, राजनीतिक संवाद के लिए ट्विटर एक लोकप्रिय मंच बन गया है, राजनेता और नागरिक इसका उपयोग अपने विचार व्यक्त करने, चर्चाओं में शामिल होने और समाचार और जानकारी साझा करने के लिए करते हैं। यह पेपर उन तरीकों की जांच करता है जिसमें ट्विटर ने चुनावी परिणामों को प्रभावित किया है, जिसमें जनता की राय को आकार देने, मतदाताओं को संगठित करने में इसकी भूमिका शामिल है। दुनिया भर के चुनावों में उम्मीदवारों और मतदाताओं द्वारा समान रूप से ट्विटर का सक्रिय रूप से उपयोग किया जाता है। यह लेख इस बात की पड़ताल करता है कि कैसे उम्मीदवार की ट्विटर उपस्थिति चुनावी परिणामों को प्रभावित करती है और क्या उम्मीदवार से संबंधित ट्वीट्स की भावना और आवृत्ति अभियान की सफलता से संबंधित है।

इस शोध का मुख्य उद्देश्य आदमपुर के उपचुनाव 2022 में यह देखना था कि कितने नेता ट्विटर से जुड़े हुए हैं और किस नेता के कितने फॉलोअर हैं और किस प्रत्याशी के ट्वीट पर कितने लाइक हुए हैं, कितने कमेंट हुए हैं और इन सभी चीजों ने चुनाव की गतिविधियों को किस तरह से प्रभावित करा है। आधुनिक चुनावों में ट्विटर की भूमिका का व्यापक विश्लेषण प्रदान करने के लिए अध्ययन अकादमिक साहित्य की एक श्रृंखला के साथ-साथ केस स्टडी और अनुभवजन्य डेटा पर आधारित है। इस शोध में आंकड़ों को समझने के लिए सारा डेटा ट्विटर से लिया गया और उसके बाद यह देखा गया कि उन ट्वीट्स पर जनता की अभिव्यक्ति किस तरह से चुनावों को प्रभावित करती है। लेखक के अध्ययन की एक दिलचस्प खोज यह है कि कैसे उम्मीदवारों ने ट्विटर का उपयोग 'चर्चा' उत्पन्न करने के लिए किया है। निष्कर्ष बताते हैं कि चुनावी

राजनीति में ट्विटर एक महत्वपूर्ण शक्ति बन गया है, जिसमें लोकतांत्रिक जुड़ाव को सुविधाजनक बनाने की शक्ति है।

प्रमुख शब्द: ट्विटर, चुनाव, प्रतियाशी, ट्वीट्स, फॉलोअर्स।

## I. परिचय

वर्तमान समय में सोशल मीडिया पूरी दुनिया के लिए राजनीति का एक अहम हिस्सा बन चुका है। देश-विदेश में कहीं भी किसी भी प्रकार के चुनाव क्यों न हो, वहां सोशल मीडिया का बढ़ता हुआ प्रयोग देखा जा सकता है। भारत में भी सोशल मीडिया राजनीति में पिछले 5-7 सालों से ज्यादा प्रयोग में देखा जा रहा है। सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपने सोशल मीडिया को सँभालने के लिए अपनी-अपनी आई टी सेल (IT CELL) बनाई हुई हैं। अब विभिन्न सोशल मीडिया साइट्स (फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर और यूट्यूब) का चुनावों में बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार के लिए उपयोग किया जाता है। 2012 के अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई थी। अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के 7 उम्मीदवार सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए दिखे, इन्होंने जागरूकता तथा समर्थन के लिए सोशल मीडिया पर अभियान चलाया। आम चुनाव प्रचार के दौरान बराक ओबामा तथा मीट रोमानी ने चुनाव प्रचार में सोशल मीडिया का खूब उपयोग किया। इस चुनाव में बराक ओबामा तथा रोमानी दोनों ने लगभग 10 मिलियन से अधिक ट्वीट किए। बराक ओबामा के ट्विटर पर 133 मिलियन फॉलोअर्स हैं, वहीं अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति जॉन बाइडेन के ट्विटर पर 27.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

### क) सन् 2019 का लोकसभा चुनाव

सन् 2019 के लोकसभा आम चुनाव देशभर में 11 अप्रैल से 19 मई 2019 के बीच 7 चरणों में आयोजित हुए, इस चुनाव के परिणाम 23 मई को घोषित किये गए। इसमें भारतीय जनता पार्टी ने 303 सीटें हासिल की तथा अपना पूर्ण अभूत बनाए रखा और भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कुल 353 सीटें जीती, वहीं कांग्रेस पार्टी ने 52 सीटें जीती और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कुल 92 सीटें जीती। अन्य दलों और उनके गठबंधन ने कुल 97 सीटें जीती। अतः इस आम चुनाव में भाजपा ने अपने पूर्ण बहुमत के साथ देश में सरकार बनाई।

2019 का लोकसभा चुनाव जितने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने ट्वीटर अकाउंट से "#VIJAYI\_BHARTI" के साथ एक ट्वीट किया जिसे 'गोल्डन ट्वीट 2019' का खिताब भी मिला। इस ट्वीट को अब तक 117.6 हजार लोगों ने रि-ट्वीट किया है। नरेंद्र मोदी के ट्वीटर पर 420.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वहीं (PMO) पीएमओ इंडिया के ट्वीटर अकाउंट पर

51.5 मिलियन फॉलोअर्स है, इसी तरह राहुल गाँधी के 22 मिलियन तथा अरविन्द केजरीवाल के 26.7 मिलियन फॉलोवर है। देश में कोई भी चुनाव हो, हर प्रत्याशी सोशल मीडिया पर अपनी अच्छी पकड़ बनाना चाहता है। 5-7 वर्ष पहले चुनावी समीकरण टीवी चैनलों या अखबारों तथा बड़ी-बड़ी रैलियों द्वारा पता लगाए जाते थे, परन्तु वर्तमान समय में हालात बदल चुके हैं। भारत देश ने डिजिटल इंडिया की तरफ कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। अब लगभग सभी नेता ट्वीटर का प्रयोग करने लगे हैं।

### ख) सन् 2019 का हरियाणा विधानसभा चुनाव

हरियाणा विधान सभा 2019 के चुनाव 21 अक्टूबर 2019 को सम्पन्न हुए तथा इन चुनावों का परिणाम 24 अक्टूबर 2019 को जारी किया गया। यह चुनाव हरियाणा की 90 विधान सभा सीटों पर सम्पन्न हुए, जिसमें से भारतीय जनता पार्टी ने 40 तथा कांग्रेस पार्टी ने 31 सीटें जीतीं। इनमें से अलग होकर नई पार्टी बनी जननायक जनता पार्टी ने 10 सीटें हासिल की, वहीं इनमें एक ही सीट पर सिमट कर रह गई। किसी भी पार्टी के पास पूर्ण बहुमत नहीं होने के कारण भाजपा ने जेजेपी के साथ गठबंधन किया तथा साथ ही कुछ निर्दलीय विधायकों ने भी बीजेपी को समर्थन दे दिया। इसी कारण हरियाणा में बीजेपी ने दूसरी बार मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार बनाई, जिसमें मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री तथा जेजेपी के प्रमुख दुष्प्रंत चौटाला ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

### ग) हरियाणा के आदमपुर में उपचुनाव 2022

जैसे ही हरियाणा में 2019 में दोबारा बीजेपी की सरकार बनी उस समय कुलदीप बिश्नोई कांग्रेस की तरफ से आदमपुर सीट से विधायक थे, परन्तु अपने राजनीतिक कारणों के चलते उन्होंने कांग्रेस पार्टी की प्रार्थमिक सदस्यता और अपने विधायक पद से त्यागपत्र दे दिया। जिसके बाद आदमपुर की सीट खाली हो गई और विभिन्न राजनीतिक पार्टियों की निगाहें पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल की कर्मभूमि आदमपुर की सीट पर टिक गई। जैसे ही चुनाव आयोग ने आदमपुर सीट पर उप-चुनाव करवाने का निर्णय लिया, तो कुलदीप बिश्नोई ने अपने समर्थकों सहित बीजेपी का दामन थाम लिया। यहीं से शुरू होता है कुलदीप बिश्नोई के पुत्र भव्य बिश्नोई का राजनीतिक सफर, हालाँकि भव्य पहले हिसार लोकसभा से कांग्रेस की सीट से चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन उन्हें वहाँ से हार का सामना करना पड़ा था। आदमपुर उपचुनाव 2022 के लिए बीजेपी ने भव्य बिश्नोई को अपना उम्मीदवार बनाया।

इस चुनाव में भव्य बिश्नोई ने अपने विरोधियों को पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की और अपने पारिवारिक विरासत की सत्ता एक बार फिर अपने परिवार के हाथ में रखी, यह जीत भव्य बिश्नोई की पहली जीत रही।

हरियाणा राज्य में आदमपुर विधान सभा से 2014 के चुनाव में चौ. कुलदीप बिश्नोई विधायक बने थे, इन्होंने 2022 में अपने पद से त्याग-पत्र दे दिया था। जिससे आदमपुर की शीट खाली हो गई थी। अक्टूबर – नवंबर 2022 में हुए आदमपुर विधानसभा उप-चुनाव में चौ. कुलदीप बिश्नोई ने अपने बेटे भव्य बिश्नोई को आदमपुर से उप-चुनाव में प्रत्याशी बनाया। इस उप-चुनाव में 22 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे, जिनमें भाजपा के भव्य बिश्नोई, कांग्रेस के जेपी. उर्फ जय प्रकाश और इंडियन नेशनल लोकदल से कुरड़ाराम व आम आदमी पार्टी से सतेंद्र सिंह मुख्य रूप से रहे। इन सभी में लोगो को कांटे की टक्कर दिख रही थी और इन्हीं के बीच शुरुवाती समीकरणों में कड़ा मुकाबला बताया जा रहा था। इस लघु शोध में हम चारों मुख्य प्रत्याशियों के ट्विटर अकाउंट पर नजर रखे हुए हैं तथा यह जानने का प्रयास करेंगे की कौन से प्रत्याशी ने ट्विटर का दुसरो की तुलना में ज्यादा प्रयोग किया है, और इसका उन्हें कितना लाभ पहुंचा है।

## II. शोध समस्या

इस लघु शोध में बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसमे मुख्य रूप से यह की आदमपुर उप चुनाव 22 प्रत्याशियों ने लड़ा, जिनमे से सिर्फ 4 प्रत्यासी ही ट्विटर का प्रयोग करते हुए मिलें और उनमे से एक प्रत्यासी गुलाब सिंह जो की इस चुनाव में सबसे शिक्षित प्रत्याशी थे। उन्होंने चुनाव के दौरान ही ट्विटर पर अपना अकाउंट बनाया। जिनके सबसे कम फॉलोअर्स हैं और उन्होंने सबसे कम ट्विट किए हैं। दूसरी समस्या यह रही कि सतेंद्र सिंह के सभी ट्विट बहुत से नेताओं ने बार बार रि-ट्विट किए हैं तथा सतेंद्र सिंह ने भी अपने पुराने ट्विट को बहुत बार रि-ट्विट किया। जिससे कुल ट्विट की गिनती करने में समस्या हुई। आकड़ों का विश्लेषण करते समय ग्राफ बनाने में समस्या हुई, क्योंकि पहले सभी प्रत्याशियों का एक साथ ग्राफ बनाया गया तथा बाद में सभी प्रत्याशियों का अलग-अलग भी ग्राफ बनाया गया हैं। सभी आकड़ों को एक्सेल में इकट्ठा किया गया तथा बाद में सभी का टोटल करके एक्सेल में ही ग्राफ बनाया गया हैं।

## III. साहित्य की समीक्षा

साहित्य की समीक्षा को दो वर्गों में विभाजित किया गया हैं। जिसमे लोगों के निर्णयों से संबंधित जाँच और विश्लेषण शामिल हैं।

क) पारम्परिक भावना विश्लेषण

ख) राजनीतिक भावना विश्लेषण

इस लघु शोध में हम राजनीतिक भावना पर विश्लेषण देखेंगे कि ट्विटर का राजनीतिक क्षेत्र में क्या प्रयोग हैं? और ट्विटर का हरियाणा की आदमपुर विधान सभा के उपचुनाव 2022 में किस उम्मीदवार ने कितना प्रयोग किया है? और इसका उन्हें कितना फायदा मिला है या नहीं मिला इसका भी अवलोकन करेंगे।

ट्विटर, सोशल मीडिया का सबसे महत्वपूर्ण साधन माना जाता है और अधिकारीरूप से भी ट्विटर पर बहुत ज्यादा विश्वास किया जाता है। जब भी देश के राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री या अन्य कोई प्रमुख अधिकारी किसी भी विषय को लेकर अपना बयान देते हैं तो सबसे पहले उनका ब्यान उनके ट्विटर अकाउंट पर देखा जा सकता है और हम भी आधिकारिक रूप से ट्विटर की खबरों को सत्य मानते हैं। किसी ट्वीट को कितनी बार रि-ट्वीट किया जा सकता है, इस पर कोई सीमा नहीं है, लेकिन ट्विटर केवल उन सबसे नए 100 लोगों को ही दिखाएगा जिन्होंने किसी सार्वजनिक ट्वीट को रि-ट्वीट किया हो। 1,000 ट्वीट्स प्रति दिन की सीमा में रि-ट्वीट भी गिने जाते हैं।

### क) 2014 से 2019 तक भारतीय चुनावों में सोशल मीडिया

भारत के 2014 के आम चुनाव में देश का अब तक का सबसे अधिक मतदान देखा गया। 16वीं लोकसभा में लोकसभा के सदस्यों को चुनने के लिए लाखों लोगों ने अपने जनादेश का प्रयोग किया। भारतीयों का मजबूत सत्ताधारी पार्टी के विरोध में एक अलग सी हवा सोशल मीडिया पर चलाई गई। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) के नेतृत्व वाली पांच गठबंधन (यूपीए) सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और नीतिगत पक्षाघात के आरोप लगाए गए। इस चुनाव में युवा आबादी की विशेष रूप से भूमिका रही, जिनमें से लगभग 65 प्रतिशत युवा 35 वर्ष से कम आयु के थे जोकि परिवर्तन के लिए उत्सुक थे। पहली बार भारतीय अग्रणी विज्ञापन एजेंसियां, जनसंपर्क फर्म, सोशल मीडिया एनालिटिक्स और मार्केटिंग कंपनियां, नागरिक स्वयंसेवी समूह, अनिवासी भारतीय और ऑफलाइन प्रचारक अपनी पसंद के राजनीतिक दल को बढ़ावा देने के लिए एकत्र हुए। 2014 के चुनाव में भी सबसे पहले सोशल मीडिया यूजर्स ही थे, जिन्होंने राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं के रूप में गंभीरता से लिया, जिन्होंने फ्रंटलाइन तकनीक का इस्तेमाल किया।

हम यहाँ इस शोध में यह पता लगाएंगे की पहले ट्विटर पर किन-किन शोधकर्ताओं ने शोध किया है तथा राजनीतिकी दृष्टिकोण से ट्विटर की क्या भूमिका देखी गई है। देश के सभी नेता, राजनेता व मंत्रियों के ट्विटर पर अकाउंट होते हैं, लेकिन उसमें बहुत सी बातें मायने रखती हैं कि किस नेता के कितने फॉलोअर्स हैं, उसने कितने लोगों को फॉलो किया है, कौन ट्विटर का कितना प्रयोग कर रहा है। किसके

ट्विटर पर कितने कमेंट रि-ट्वीट होते हैं। पहले भी बहुत से शोधकर्ताओं ने सोशल मीडिया के ट्विटर प्लेटफॉर्म पर रिसर्च किया है तथा उन्होंने अपने अपने दृष्टिकोण से अपने विचार प्रकट किया है, जोकि इस प्रकार से हैं:-

- Tumasjan *et. al* (2009) ने अपने शोध पत्र “Predicting Elections with Twitter” में कहा कि “ट्विटर भावनाओं का विश्लेषण करने के लिए एक मंच बन गया है और यह चुनाव के परिणाम की भविष्यवाणी भी करता है।” उन्होंने किसी राजनेता या राजनीतिक दल की पहचान करने वाले करीब एक लाख राजनीतिक ट्वीट की जाँच की, इसमें उन्होंने LIWC 2007 टूल का इस्तेमाल किया। LIWC 2007 (टूल) टेक्स्ट विश्लेषण का एक ऐसा सॉफ्टवेयर है, जोकि आकड़ों का प्रयोग करके लोगों की भावनाओं, विचारों और व्यक्तित्व को प्रकट करता है, उनके अनुसार “ट्वीट्स की संख्या की सम्भावना के अनुपात में ही चुनाव जितना है।”
- ओ-कॉनर (2008-2009) ने अपने शोध पत्र कहा की “ट्विटर एक साथ भावना शब्द की आवृत्तियों के बीच सह-सम्बन्ध का परिणाम ही ट्वीट करता है।” सर्वेक्षणों से मापी गई राय के साथ लोगों की टिप्पणी पर जाँच की, उन्होंने 2008 से 2009 तक विभिन्न राजनीतिक भावनाओं का विश्लेषण किया।
- हैम्बी (Hamby 2013) ने अपने शोध-पत्र (Hamby 2013) में कहा कि “ट्विटर ने पत्रकारों पर भरोसा करने के साथ-साथ राष्ट्रपति के राजनीतिक अभियानों को भी बदल दिया है, ट्विटर एक प्रमुख स्रोत के रूप में है न केवल उम्मीदवारों और अभियान का अनुसरण करने के लिए”।
- फातिमा (2018) ने अपने शोध पत्र (Kampanye sebagai Komunikasi Politik) में कहा कि “लोकतान्त्रिक प्रणाली को अपनाने वाले देश में राजनीतिक अभियान महत्वपूर्ण हैं। उम्मीदवारों को जनता के सामने पेश करना राजनीतिक अभियानों को संगठित प्रयासों के रूप में समझा जाता है। कुछ उम्मीदवार समूह में निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करना चाहते हैं, इसलिए प्रत्येक उम्मीदवार को सावधानीपूर्वक रणनीति और योजना पर विचार करना चाहिए”।
- बेर एस. इ. (2014) ने अपने शोध पत्र (American Behavioral Scientist) में कहा कि “ट्विटर और फेसबुक जैसी सोशल मीडिया नेटवर्किंग साइट्स राजनेताओं के लिए आकर्षक हैं। अपने राजनीतिक अभियानों के लिए राजनीतिक उम्मीदवार समूह निर्माण को प्रोत्साहित करने और ठोस नेटवर्क बनाये रखने के लिए नेटवर्किंग में सोशल मीडिया साइट्स का उपयोग करते हैं”।
- स्टीग्लिट्ज़ और डांग जुआंग (2013) ने अपने शोध-पत्र (A Social Media Analytics Framework) में कहा कि “ राजनीतिक संदर्भ में सोशल मीडिया बहुत अधिक प्रचलित होता जा रहा है, ऐसा माना जाता है कि फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया ने हाल ही में राजनीतिक जुड़ाव बढ़ाए हैं। राजनीतिक नेटवर्क के माध्यम से ट्विटर यूजर के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। राजनेता, राजनीतिक दल और

राजनीतिक नीव रखने वाले संसथान सार्वजानिक रूप से सामान्य जानकारी और राजनीतिक विचारों का प्रसार करें।”

- डेविड (2017) ने अपने शोध पत्र (Review and Recommendations) में कहा की “ट्विटर सोशल मीडिया के लिए एक मंच हैं। यह ऑनलाइन मंच लोगों को एक सांझा मंच प्रदान करता है साथ में ही बातचीत करने, सामग्री साझा करने और सहयोग करने की अनुमति देता है।”

## IV. शोध का उद्देश्य

इस शोध का उद्देश्य यह जानना है कि आदमपुर उपचुनाव के प्रत्याशी सोशल मीडिया के ट्विटर प्लेटफॉर्म का कितन प्रयोग कर रहे हैं और उनको इस का कितना लाभ मिला है।

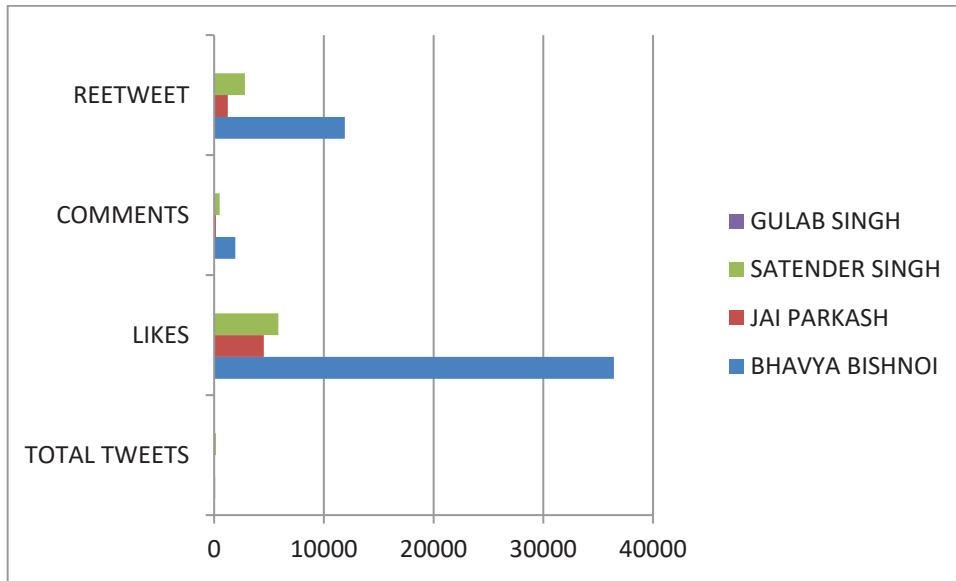
इस शोध के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार से हैं:-

- क) इस चुनाव के कितने प्रत्याशी ट्विटर से जुड़े हुए हैं ?
- ख) किस नेता के ट्विटर पर कितने फॉलोअर्स हैं ?
- ग) उपचुनाव 2022 में किस नेता ने अपने ट्विटर अकाउंट से कितने ट्वीट किये हैं ?
- घ) कौन से ट्वीट को आम जनता के द्वारा सबसे ज्यादा रि-ट्वीट किया गया है ?
- ङ) प्रत्याशियों के हर एक ट्वीट पर कितने लाइक हुए हैं ?
- च) प्रत्याशियों के हर एक ट्वीट पर कितने कमेंट हुए हैं ?

## V. शोध विधि

इस लघु शोध में ट्विटर से डेटा लिया गया है। जिसमें आदमपुर उप चुनाव 2022 में प्रत्याशी रहे 4 लोगों के ट्विटर अकाउंट से हुए ट्विट लिए गए हैं। हमने इस लघु शोध में **08 अक्टूबर 2022 से 01 नवंबर 2022** तक के ट्विट शामिल किये गए हैं। इस दौरान हुए ट्विट पर जनता ने कितने कमेंट किये, कितने लोगो ने इन ट्विट को री-ट्विट किया तथा कितने लोगो ने इन ट्विट को लाइक किया है। सभी के ट्विट को समझने के बाद, सभी के कमेंट पढ़ने के बाद सभी प्रत्याशियों का एक ग्राफ बनाया गया। जिसमें उनके कमेंट, लाइक तथा री-ट्विट को एक साथ दर्शाया गया है। इसके बाद प्रत्येक प्रत्याशी का अलग-अलग ग्राफ बनाया गया है जिसमें उस प्रत्याशी द्वारा किए गए ट्वीट पर लोगों के कमेंट, लाइक तथा रिट्वीट को दर्शाया गया है। इसके बाद आकड़ों का विश्लेषण किया गया है व हर एक प्रत्याशी का अलग-अलग आकड़ों के अनुसार विस्तार से वर्णन किया गया है।





तालिका न० 01 – आकड़ों का विश्लेषण

तालिका न० 01 में आदमपुर उपचुनाव 2022 में रहे प्रत्याशियों का डेटा रखा गया है। इस तालिका में हम सभी का डेटा एक साथ रख रहे हैं। आप आगे की तालिकाओं में प्रत्येक प्रत्याशी का अलग-अलग डेटा देखेंगे। इसमें तालिका के अनुसार भाजपा के भव्य बिश्नोई ने पुरे चुनाव में कुल 90 ट्विट किये, आम आदमी पार्टी के सतेंदर सिंह ने 158 ट्विट किये, कांग्रेस के जय प्रकाश ने 50 ट्विट किये तथा आजाद उम्मीदवार गुलाब सिंह ने 19 ट्विट किये। इस लघु शोध में हमने 4 प्रत्याशियों का डेटा लिया है, जिनमे से 3 प्रत्याशी ट्विटर का बहुत ज्यादा प्रयोग करते हैं।

प्रत्याशी का नाम	TWITTER HANDLE NAME	FOLLOWERS
भव्य बिश्नोई	@bbhavyabishnoi	33200
सतेंदर सिंह	@satinderneoli	1017
जय प्रकाश (JP)	@JaiParkash_INC	986
उम्मीदवार गुलाब सिंह	@narwal_gulab	19

तालिका न० 02 – प्रत्याशियों के ट्विटर हैंडल की जानकारी

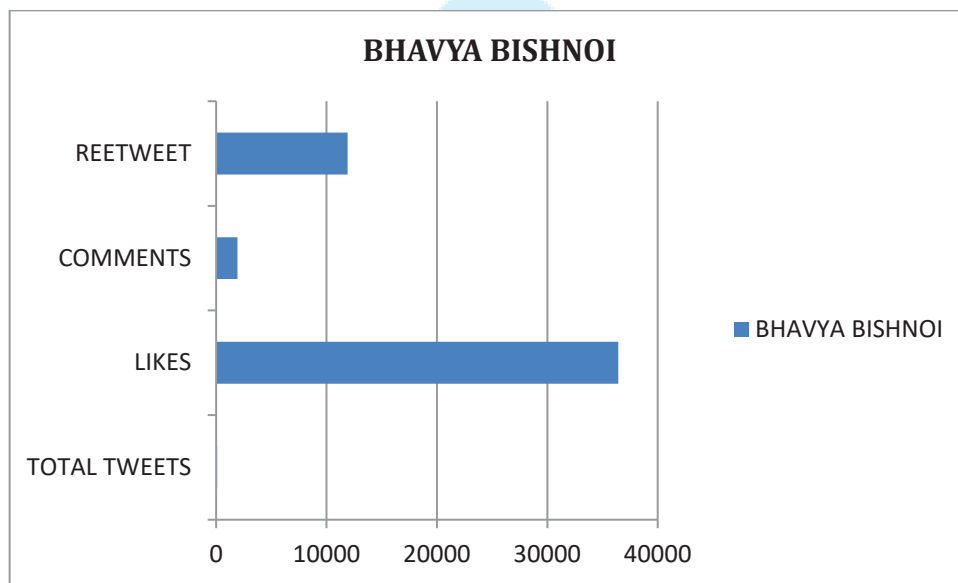
तालिका न० 02 के अनुसार

हम लघु शोध में प्रत्याशियों को कर्मानुसार रखेंगे, जिस प्रत्याशी के सबसे ज्यादा फॉलोअर्स होंगे, उसे पहले स्थान पर फिर उससे कम फॉलोअर्स वाले प्रत्याशी को रखा है और सबसे अंतिम में उस प्रत्याशी को रखा गया है जिसके फॉलोअर्स सबसे कम हैं। तालिका न० 02 के अनुसार :



- भाजपा के उम्मीदवार भव्य बिश्नोई के ट्विटर पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स हैं, इसलिए हमने इनको पहले स्थान पर रखा हैं।
- आम आदमी पार्टी के सतेंदर सिंह के ट्विटर पर 1017 फॉलोअर्स हैं, इसलिए हमने इनको इनको दूसरे स्थान पर रखा हैं।
- कांग्रेस पार्टी के जय प्रकाश उर्फ जेपी के ट्विटर पर 986 फॉलोअर्स हैं, इसलिए हमने इनको इनको तीसरे स्थान पर रखा हैं।
- आजाद उम्मीदवार रहे गुलाब सिंह के ट्विटर पर सबसे कम 19 फॉलोअर्स हैं, इसलिए हमने इनको इनको चौथे स्थान पर रखा हैं।

अब हम सभी प्रत्याशियों का एक एक करके अध्यन करेंगे कि किसने ट्विटर का कैसे प्रयोग किया और किसे इसका कितना फायदा हुआ ?

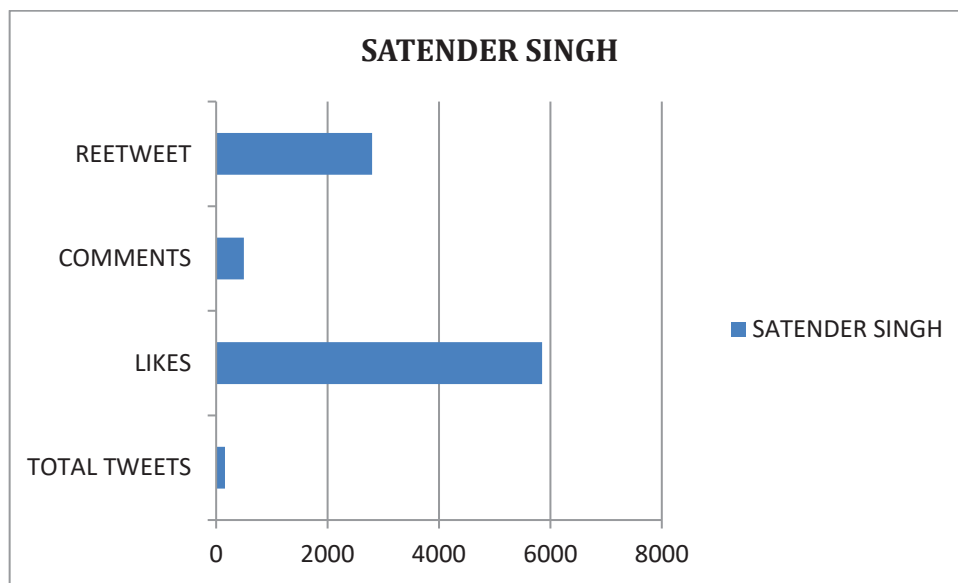


तालिका न० 03— भव्य बिश्नोई के ट्विटर हैंडल की जानकारी

जैसा की तालिका न० 02 में बताया गया हैं कि भाजपा के भव्य बिश्नोई के ट्विटर पर कुल 33200 फॉलोअर्स हैं। तालिका न० 03 के अनुसार '10 अक्टूबर 2022 से लेकर 01 नवंबर 2022' तक भव्य बिश्नोई ने अपने ट्विटर से कुल 90 ट्विट किये और इन सभी ट्विट को 36432 लोगो ने पसंद किया। इन सभी ट्विट पर लोगो ने 1927 कमेंट के माध्यम से अपने सुझाव भी दिए तथा भव्य बिश्नोई को अपना समर्थन दिया। साथ ही बता दें कि तालिका न० 03 के अनुसार भव्य के सभी ट्विट को 11908 बार रि-ट्विट किया गया हैं। भव्य बिश्नोई ने अपने चुनावी प्रचार के दौरान ट्विटर पर बहुत से हैशटैग का प्रयोग किया, जिनमे मुख्य रूप

से #भव्य–आदमपुर, #जीतेगा–आदमपुर तथा #ADAMPUR का बार बार प्रयोग किया गया। चुनावी प्रचार के दौरान स्वयं के बारे, में भाजपा के बारे में तथा हरियाणा सरकार के बारे में ज्यादा चर्चा की गई। उन्होंने खुद को एक ब्रांडिंग के रूप में पेश किया।

पुरे चुनावी कैम्पेन में ट्विटर पर भव्य के द्वारा 21 वीडियो शेयर की गई तथा 68 फोटो शेयर की गई। भव्य बिश्नोई ने अपने ट्विटर पर जातीय समीकरण बनाने की बात की। भव्य ने ट्विटर के माध्यम से जनता से अपील की थी कि “जनता भव्य बिश्नोई पर विश्वास करे”। भव्य बिश्नोई का ट्विटर पर चुनावी कैम्पेन सकारात्मक रहा तथा लोगों ने भी भव्य बिश्नोई को सपोर्ट किया।



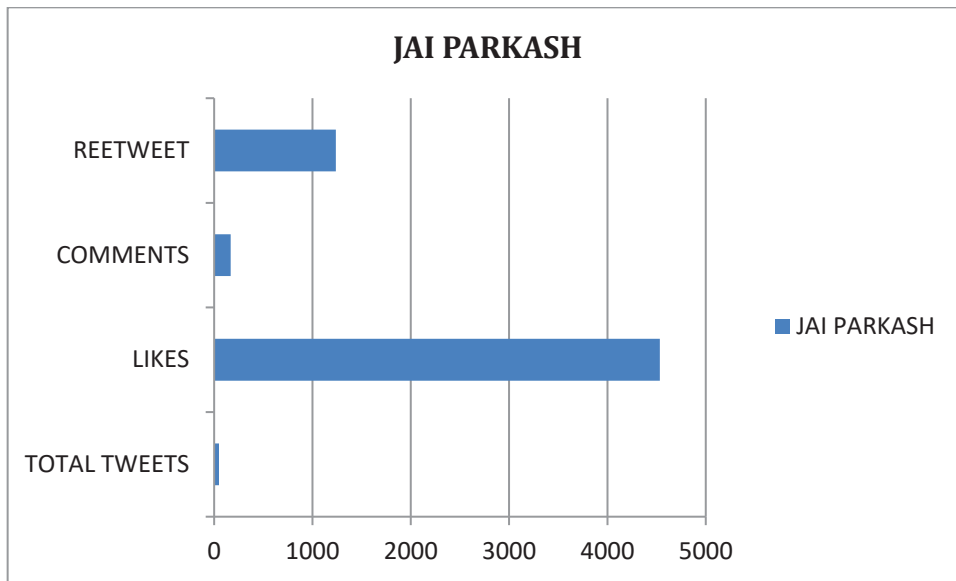
तालिका न० 04– सतेंदर सिंह के ट्विटर हैंडल की जानकारी

जैसा की तालिका न० 02 में बताया गया है कि आम आदमी पार्टी के सतेंदर सिंह के ट्विटर पर कुल 1017 फॉलोअर्स हैं।

तालिका न० 04 के अनुसार '10 अक्टूबर 2022 से लेकर 01 नवंबर 2022' तक सतेंदर सिंह ने अपने ट्विटर से कुल 158 ट्विट किये और इन सभी ट्विट को 5850 लोगो ने पसंद किया। इन सभी ट्विट पर लोगो ने 497 कमेंट के माध्यम से अपने अपने सुझाव भी दिए तथा सतेंदर सिंह को अपना समर्थन दिया। साथ ही बता दे कि तालिका न० 04 के अनुसार सतेंदर सिंह के सभी ट्विट को 2800 बार रि-ट्विट किया है।

सतेंदर सिंह ने अपने चुनावी प्रचार के दौरान ट्विटर पर बहुत से हैशटैग का प्रयोग किया जिनमे मुख्य रूप से #सतेंदर–आएगा–बदलाव–लाएगा, #आदमपुर–का–सतेंदर, #आदमपुर–में–भी–केजरीवाल तथा #ADAMPUR–2022 का बार बार प्रयोग किया गया। चुनावी प्रचार के दौरान स्वयं के बारे में, 'आम आदमी पार्टी' के बारे में तथा 'दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत मान' के बारे में

ज्यादा चर्चा की गई। उन्होंने खुद को व आम आदमी पार्टी को एक ब्रांडिंग के रूप में पेश किया। पुरे चुनावी कैम्पेन में ट्विटर पर सतेंदर सिंह के द्वारा 02 वीडियो और 104 फोटो शेयर की गई तथा 24 पोस्टर और 02 पम्पलेट शेयर किए गए हैं। सतेंदर सिंह ने ट्विटर के माध्यम से जनता से अपील की थी कि "जनता सतेंदर सिंह व आम आदमी पार्टी पर विश्वास करे"। सतेंदर सिंह का ट्विटर पर चुनावी कैम्पेन सकारात्मक रहा तथा लोगों ने भी सतेंदर सिंह को सपोर्ट किया।

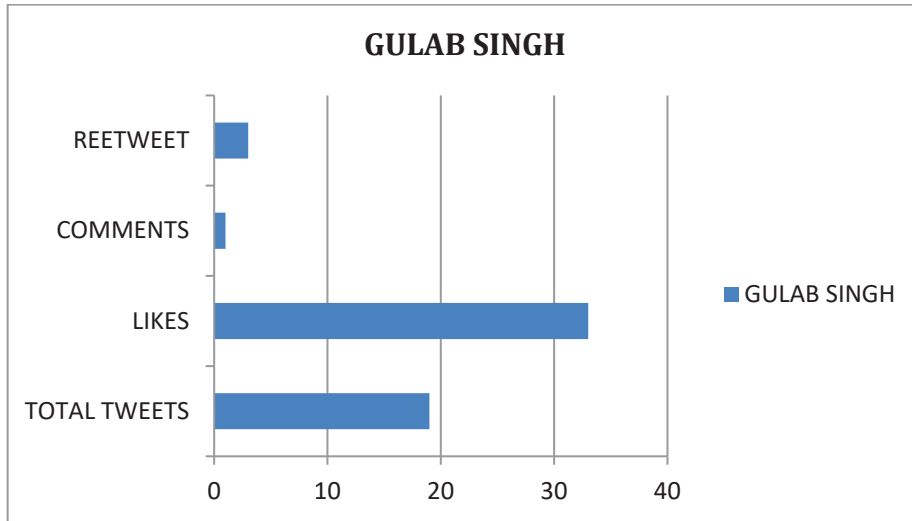


तालिका न० 05— जय प्रकाश के ट्विटर हैंडल की जानकारी

जैसा की तालिका न० 02 में बताया गया है कि कांग्रेस के जय प्रकाश उर्फ जेपी के ट्विटर पर कुल 1017 फॉलोअर्स हैं।

तालिका न० 05 के अनुसार '10 अक्टूबर 2022 से लेकर 01 नवंबर 2022' तक जय प्रकाश उर्फ जेपी ने अपने ट्विटर से कुल 50 ट्विट किये और इन सभी ट्विट को 4533 लोगो ने पसंद किया। इन सभी ट्विट पर लोगो ने 168 कमेंट के माध्यम से अपने अपने सुझाव भी दिए तथा जय प्रकाश उर्फ जेपी को अपना समर्थन दिया। साथ ही बता दे कि तालिका न० 05 के अनुसार जय प्रकाश उर्फ जेपी के सभी ट्विट को 1267 बार री-ट्विट किया है। जय प्रकाश उर्फ जेपी ने अपने चुनावी प्रचार के दौरान ट्विटर पर बहुत से हैशटैग का प्रयोग किया जिनमे मुख्य रूप से #आदमपुर, #INDIRA&GANDHI, #HARYANA&DAY तथा #ADAMPUR&BY&ELECTION का बार-बार प्रयोग किया गया। चुनावी प्रचार में कांग्रेस के बारे में तथा हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंदर सिंह हुड्डा तथा दीपेंदर सिंह हुड्डा के बारे में ज्यादा चर्चा की गई। पुरे चुनावी कैम्पेन में ट्विटर पर जय प्रकाश उर्फ जेपी के द्वारा 04 वीडियो और 21 फोटो शेयर की गई तथा 05 पोस्टर और 20 पम्पलेट शेयर किए गए। जय प्रकाश उर्फ जेपी ने अपने ट्विटर पर जातीय समीकरण

बनाने की बात भी की। जय प्रकाश उर्फ जेपी ने ट्विटर के माध्यम से जनता से अपील की हैं कि “जनता एक परिवार की राजनीति को अब ख़त्म करें और किसानों–मजदूरों व तमाम वर्ग के हितों के लिए कांग्रेस को जीत दिलाये”। जय प्रकाश उर्फ जेपी ने जनता से एक परिवार का गढ़ तोड़ने की बात भी कही। जय प्रकाश उर्फ जेपी का ट्विटर पर चुनावी कैम्पेन सकारात्मक रहा तथा लोगों ने भी जय प्रकाश उर्फ जेपी को स्पॉर्ट किया।



तालिका न० 06– गुलाब सिंह के ट्विटर हैंडल की जानकारी

जैसा की तालिका न० 02 में बताया गया हैं कि आम आदमी पार्टी के गुलाब सिंह के ट्विटर पर कुल 19 फॉलोअर्स हैं।

तालिका न० 06 के अनुसार ‘10 अक्टूबर 2022 से लेकर 01 नवंबर 2022’ तक गुलाब सिंह ने अपने ट्विटर से कुल 19 ट्विट किए और इन सभी ट्विट को 33 लोगो ने पसंद किया। इन सभी ट्विट पर सिर्फ एक मात्र व्यक्ति ने 1 कमेंट के माध्यम से अपना सुझाव भी दिया तथा गुलाब सिंह को अपना समर्थन दिया। साथ ही बता दें कि तालिका न० 06 के अनुसार गुलाब सिंह के सभी ट्विट को 3 बार रि-ट्विट किया हैं।

गुलाब सिंह ने अपने चुनावी प्रचार के दौरान ट्विटर पर सिर्फ एक हैशटैग का प्रयोग किया, जोकि #\_ADAMPUR\_BY\_ELECTION रहा। चुनावी प्रचार के दौरान स्वयं के बारे में राजकुमार सैनी व महात्मा ज्योतिबा फुले जी के बारे में चर्चा की गई। उन्होंने खुद को व राजकुमार सैनी को एक ब्रांडिंग के रूप में पेश किया।

पूरे चुनावी कैम्पेन में ट्विटर पर गुलाब सिंह के द्वारा 04 वीडियो और 04 फोटो शेयर की गई तथा 05 पोस्टर और 05 पम्पलेट शेयर किए गए। गुलाब सिंह ने अपने ट्विटर पर जातीय समीकरण बनाने की बात भी की। गुलाब सिंह ने ट्विटर पर अनुसूचित जाती व पिछड़ा वर्ग के अधिकारों की बात भी कही। कुरुक्षेत्र से पूर्व सांसद व लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के प्रमुख राजकुमार सैनी व महात्मा ज्योतिबा फुले जी के बारे में बात की।

एक खास बात यह रही कि इन्होंने 31 अक्टूबर 2022 को वोट की वेल्यू बताते हुई राजेश खन्ना की वीडियो ट्विटर पर पोस्ट की हैं, जोकि जनता को जागरूक करती हैं। गुलाब सिंह का ट्विटर पर चुनावी कैम्पेन सकारात्मक रहा।

## VI. निष्कर्ष

इस आदमपुर उप-चुनाव में भव्य बिश्नोई ने ट्विटर के माध्यम से लोगों तक अपने विचार पहुंचाए हैं। लोगों ने भी भव्य बिश्नोई को ट्विटर पर पूरा समर्थन दिया और इसी वजह से उनको चुनाव में जीत भी मिली। अतः हम यह कह सकते हैं कि सोशल मीडिया का ट्विटर प्लेटफॉर्म राजनीति में बहुत ज्यादा लाभदायक सिद्ध होता है।

इसलिए हम कह सकते हैं कि हमारा इस लघु शोध को पूरा करने का उद्देश्य भी पूरा होता है।

## VII. संदर्भ ग्रन्थ सूची

- [1]. Baumeister R. F., Bratslavsky E., Finkenauer C., Vohs K. D. (2001). Bad is stronger than good. *Review of General Psychology*, 5, 323-370.
- [2]. Bor, S. E. (2014). Using social network sites to improve communication between political campaigns and citizens in the 2012 election. *American Behavioral Scientist*, 58(9), 1195-1213.
- [3]. David, C. C. (2017). Social media use by frontline government agencies: review and recommendations. *Public Policy*, 50-72.
- [4]. Delli Carpini M. X., Cook F. L., Jacobs L. R. (2004). Public deliberation, discursive participation, and citizen engagement: A review of the empirical literature. *Annual Review of Political Science*, 7, 315-344.
- [5]. Fatimah, S. (2018). Kampanye sebagai Komunikasi Politik: Esensi dan Strategi dalam Pemilu. *Resolusi*, 1 (1), 5-16.
- [6]. Harlow, S., & Johnson, T. J. (2011). The Arab spring| overthrowing the protest paradigm? How the New York Times, global voices and twitter covered the Egyptian revolution. *International journal of Communication*, 5, 16.
- [7]. Jungherr, A. (2016). Twitter use in election campaigns: A systematic literature review. *Journal of information technology & politics*, 13(1), 72-91.

- [8]. O'Connor, B., Balasubramanyan, R., Routledge, B., & Smith, N. (2010, May). From tweets to polls: Linking text sentiment to public opinion time series. In *Proceedings of the international AAAI conference on web and social media* (Vol. 4, No. 1, pp. 122-129).
- [9]. Stieglitz, S., & Dang-Xuan, L. (2013). Social media and political communication: a social media analytics framework. *Social network analysis and mining*, 3, 1277-1291.
- [10]. Tumasjan, A., Sprenger, T., Sandner, P., & Welpe, I. (2010, May). Predicting elections with twitter: What 140 characters reveal about political sentiment. In *Proceedings of the international AAAI conference on web and social media* (Vol. 4, No. 1, pp. 178-185).

